नई किस्म की फसलों पर संसाधनों की बर्बादी

*280. श्री जगदम्बी प्रसाद यादव : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार का ध्यान 17 जुलाई, 1987 के "इंडियन एक्सप्रैस" के चंडीगढ़ संस्करण में नयी किस्म की फसलों के विकास पर संसाधनों की बर्बादी के संबंध में "न्यू क्राप वेरायटीज, वेस्ट आफ रिसोरसिज" शीर्षक के अन्तर्गत प्रकाशित समाचार की ओर दिलाया गया है; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ;

(ख) क्या यह सच है कि केन्द्रीय किस्म निर्गम समिति मृत प्रायः हो गई है ;

(ग) क्या यह सच है कि वर्ष 1982 और 1984 के दौरान बीजों की 242 किस्में जारी की गई थीं जिनमें से किसानों द्वारा 27 किस्में स्वीकार की गई थीं और बीज प्रमाणन कार्यक्रम में बीजों की इन किस्मों का केवल 2 प्रतिशत है ;

(घ) क्या यह भी सच है कि ऐसे बीजों की विभिन्न किस्मों का जो किसानों को स्वीकार्य नहीं है, जारी किया जाना भारत जैसे गरीब देश के लिए एक विलासिता तथा निधियों की साफ बर्बादी है क्योंकि इस कार्यक्रम का अधिकांश भाग सरकारी क्षेत्र में चलाया जा रहा है ; और

(ङ) क्या यह कार्य केवल सैद्धांतिक उद्देश्य तथा रफी अहमद किदवई पुरस्कार जीतने के लिए किया जा रहा है जो कि अंततः एक बेकार खर्च ही है ?

कृषि मंत्री (श्री जी० एस० ढिल्लों) : (क) जी हां, श्रीमान्। उक्त समाचार-पत्र में यह प्रकाशित हुआ है कि केन्द्रीय किस्म रिलीज समिति मर चुकी है। उसके द्वारा रिलीज की गई किस्में किसान नहीं लेते। सभी किस्मों के प्रमाणित बीजों का उत्पादन नहीं किया गया। किस्मों की बहुलता है देर से बोई जाने वाली और बारानी स्थितियों के लिए किस्में सुलभ नहीं हैं। सीमित आनुवांशिक आधार के कारण नई किस्में अच्छी नहीं हैं। अतः अनुसंधान संबंधी प्राथमिकताओं की पहचान और प्रजनन नीति की समीक्षा की आवश्यकता है।

(ख) जी नहीं, श्रीमन्।

(ग) जनवरी, 1982 से जनवरी 1984 तक कुल 241 किस्में रिलीज की गई। इनमें से 153 किस्मों के जरिये 1984–85 तक प्रजनक/मूल/प्रमाणित बीज तैयार किये गये। बीज उत्पादन के काम में कम से कम 3 से 4 मौसम या वर्ष लग जाते हैं तब कहीं प्रमाणित बीज तैयार होते हैं। इसलिए कुछ किस्में 1984–85 के बीज उत्पादन के कार्यक्रम में शामिल नहीं की गईं। 1983–84 में रिलीज की गई किस्मों के प्रमाणित बीजों के 1987–88 तक सुलभ होने की आशा है।

(घ) जी नहीं, श्रीमन्। व्यावसायिक पर खेती के लिए उपयुक्त नहीं होने पर किस्मों को कतई रिलीज नहीं किया जाता।

(ङ) जी नहीं, श्रीमन्।

Light rail transit system for Delhi

2298. SHRI PRABHAKAR RAO KALVALA: Will the Minister of URBAN DEVELOPMENT be pleased to state:

(a) whether there is any proposal under Government's consideration at present for the introduction of Light Rail Transit System in Delhi; and

(b) if so, what are the details thereof?